

Name of the project	Item of manufacture	Production (in tonnes)		
		1980-81	1981-82	1982-83 (estimated)
1. National Newsprint and Paper Mills	Newspring	51,283	55,021	57,000
2. Kerala Newsprint project	—do—	—	—	24,000
3. Mandya National paper Mills	Writing and printing paper	6,089	11,946	9,900

(b) The Hindustan Paper Corporation is implementing two integrated pulp and paper projects at Nowgong and Cachar Districts in the State of Assam with an annual installed capacity of 1 lakh tonnes each.

(c) The demand for newsprint is met by domestic production supplemented by imports. The demand for other varieties of paper is fully met by indigenous production, except for certain varieties of speciality paper.

(d) Efforts are being made to increase production of newsprint by improving the capacity utilisation of the existing newsprint manufacturing units. Additional capacities for manufacture of newsprint in the country have also been licensed/approved to the extent of 1.74 lakh tonnes per annum. As regards paper and paper board, the present installed capacity of country and the additional capacity under implementation are considered adequate to meet the country's demand during the next few years.

गृह मंत्रालय के अंतर्गत मंत्रालय/विभाग द्वारा राज्यों को संबोधित हिन्दी/अंग्रेजी पत्र

5943. श्री रामावतार शास्त्री : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1982 में उनके मंत्रालय/विभाग द्वारा "क" और "ख" राज्यों में से प्रत्येक राज्य को कितने मूल पत्र भेजे गए थे, तथा उनमें से कितने पत्र अंग्रेजी और हिन्दी में मूल रूप से लिखे गए थे;

(ख) इन राज्यों को नियमों के अनुसार सभी मूल पत्र हिन्दी में न भेजने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में इन राज्यों को सभी मूल पत्र केवल हिन्दी में भेजे जाएंगे; और

(घ) क्या मंत्रालयों/विभागों में हिन्दी में काम करने के लिए पर्याप्त स्टाफ जैसा कि नियमों में उल्लिखित है की व्यवस्था है और यदि नहीं तो इस संबंध में समुचित प्रबन्ध करने के लिये क्या उपाय किए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री निहार रंजन लास्कर) : (क) "क" और "ख" क्षेत्रों के राज्यों को भेजे गए पत्रों के आंकड़े अलग-अलग नहीं रखे जाते हैं। "क" क्षेत्र को जनता सहित "क" और "ख" क्षेत्रों के राज्य सरकारों को भेजे गए हिन्दी के मूल पत्रों का विवरण इस प्रकार है :—

मंत्रालय/विभाग	कुल पत्रों की संख्या	हिन्दी में जारी पत्रों की संख्या	अंग्रेजी में जारी पत्रों की संख्या
गृह मंत्रालय (मुख्य) कार्मिक तथा प्रशासनिक	12,795	11,401	1,394
सुधार विभाग	37,895	3,942	33,225*

*इसमें क और ख क्षेत्रों में स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों को भेजे गए पत्र भी शामिल हैं।

(ख) और (ग) इन राज्य सरकारों को सभी पत्र हिन्दी में भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए जांच बिन्दु को सुदृढ़ किया जा रहा है। मानक मसौदों, पत्रों आदि के हिन्दी रूपान्तर उपलब्ध किए गए हैं। कर्मचारियों को मूल रूप से हिन्दी में नोटिंग डाफ़्टिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और आवश्यकनुसार हिन्दी टाइपिस्ट तथा हिन्दी टाइपराइटर भी उपलब्ध किए गए हैं। राजभाषा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय के अनुभागों का निरीक्षण किया जाता है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में मंत्रालय के कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा नियमित रूप से की जाती है और मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठकों में भी मंत्रालय के कामकाज में हिन्दी के प्रयोग का विवरण प्रस्तुत किया जाता है।

(घ) जी हाँ, श्रौमान्।

Setting Up Of Atomic Power Station

5944. SHRI MOHAN LAL PATEL : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for setting up Atomic power Station in any under developed region of the country so

as to remove the back wardness of the region; and

(b) if so, the details there of ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY ATOMIC ENERGY, SPACE, ELECTRONICS AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI SHIVRAJ V. PATIL) : (a) and (b) A decision on the location of the future atomic power station^s is yet to be taken.

Research Projects Carried In CFRI Dhanbad

5945. SHRI A. K. ROY : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) the details of the important Research Projects carried on in the Central Fuel Research Institute, Dhanbad as on 1-11-1983;

(b) the number of patents made and commercialised so far and the income from that in the year 1982;

(c) whether some of the prestigious projects are being shifted from the CFRI creating great demoralisation in the scientific family there; and

(d) if so, the facts in details and the reason thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ATOMIC ENERGY, SPACE, ELECTRONICS, AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI SHIVRAJ V. PLTIL) : (a) A list is enclosed.